EXAM GOALPOST™

केंद्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा (CTET)

सी टी ई टी

कॉम्प्रीहेन्सिव गाइड

दिसम्बर 2018 का प्रश्न पत्र हल सहित

पेपर II सामाजिक अध्ययन/ सामाजिक विज्ञान

कक्षा VI–VIII

Edited by
Editorial Team, Exam Goalpost

dreamtech PRESS

CTET Exam Goalpost Comprehensive Guide Paper-II Social Studies/Social Science

Published by Dreamtech Press, 19-A, Ansari Road, Daryaganj,
New Delhi-110002

Copyright © 2019 by Dreamtech Press

Exam Goalpost™ logo and cover design is the property of Dreamtech Press.

No part of this book, including interior design, cover design, and icons, may be reproduced or transmitted in any form except with the permission of Dreamtech Press

Limit of Liability/ Disclaimer of Warranty: The publisher and the author make no representations or warranties with respect to the accuracy or completeness of the contents of this work and specifically disclaim all warranties, including without limitation warranties of fitness for a particular purpose. No warranty may be created or extended by sales or promotional materials. The advice and strategies contained herein may not be suitable for every situation. This work is sold with the understanding that the publisher is not engaged in rendering legal, accounting, or other professional services. If professional assistance is required, the services of a competent professional person should be sought. Neither the publisher nor the author shall be liable for damages arising here from. The fact that an organisation or website is referred to in this work as a citation and/or a potential source of further information does not mean that the author or the publisher endorses the information the organisation or web site may provide or recommendations it may make. Further, readers should be aware that Internet websites listed in this work may have changed or disappeared between when this work was written and when it is read.

Trademarks: Wiley, the Wiley logo are trademarks or registered trademarks of John Wiley & Sons, Inc. and/or its affiliates, in the United States and other countries, and may not be used without written permission. All other trademarks are the property of their respective owners. Wiley Publishing, Inc. is not associated with any product or vendor mentioned in this book.

Wiley also publishes its books in a variety of electronic formats. Some content that appears in print may not be available in electronic books.

This edition is authorized for sale in the Indian Sub-continent only.

ISBN: 978-93-88425-62-9
E-ISBN: 978-93-88425-63-6

Edition: 2019

Printed at:

विषय-सूची

पुस्तक की अद्वितीय विशेषताएँ xxvi

वीडियो लेसन एक्सेस करने का तरीका xxvii

परीक्षा की रणनीति xxviii

सीटीईटी की संरचना तथा विषय-वस्तु xxviii

पाठ्यक्रम xxx

सॉल्वड पेपर 1–20

सॉल्वड पेपर दिसम्बर 2018 (व्याख्यात्मक उत्तर सहित) 3–20

भाग-I: बाल विकास तथा अध्यापन कला 21–130

अध्याय 1: वृद्धि एवं विकास की अवधारणा तथा अधिगम से उसका संबंध 23–27

विकास की परिभाषा 23

विकास के सिद्धांत 23

वृद्धि एवं विकास में अंतर 23

विकास के आयाम 24

अधिगम का अर्थ और परिभाषा 24

विकास और अधिगम का संबंध 25

अध्याय 2: बाल विकास के सिद्धांत 28–32

बाल विकास के सिद्धांत 28

बाल विकास की प्रकृति 28

बाल विकास के क्षेत्र 29

बाल विकास को प्रभावित करने वाले कारक 29

बाल विकास के सिद्धांतों का शैक्षिक क्षेत्र में महत्त्व 29

बाल विकास की अध्ययन विधियाँ 29

अध्याय 3: आनुवंशिकता तथा वातावरण का प्रभाव 33–38

आनुवंशिकता की परिभाषा तथा स्वरूप 33

आनुवंशिकता का प्रभाव 33

वंशानुगत लक्षण 33

वातावरण की परिभाषा 34

वातावरण का प्रभाव 34

आनुवंशिकता तथा वातावरण का संबंध 34

आनुवंशिकता तथा वातावरण का बुद्धि पर प्रभाव 34

शिक्षार्थी का विकास एवं वातावरणीय कारक 34

शिक्षार्थी का विकास एवं पालन-पोषण का प्रारूप 34

शिक्षार्थी या शिशु और अभिभावक का परस्पर संबंध 34

एकल अथवा संयुक्त परिवार के वातावरण का शिशु पर प्रभाव 35

शिशु का परिवार एवं उसका लिंग निर्धारण 35

सहोदर संबंध का वातावरण पर प्रभाव 35

आस-पड़ोस के वातावरण का शिक्षार्थी पर प्रभाव 35

समवयस्क शिशुओं का प्रभाव 35

विद्यालय का वातावरण पर प्रभाव 35
जनसंचार के साधन का वातावरण पर प्रभाव 35
आनुवंशिकता तथा वातावरण के बाल विकास पर पड़ रहे प्रभावों का शैक्षिक महत्त्व 35
शिक्षार्थियों के लिए वातावरण का महत्त्व 36

अध्याय 4: समाजीकरण की प्रक्रिया 39–43
समाजीकरण की अवधारणा 39
समाजीकरण की अवधारणा संबंधी परिभाषाएँ 39
शिक्षार्थी की अलग-अलग अवस्थाओं में समाजीकरण की प्रक्रिया 40
समाजीकरण के तत्त्व 40
समाजीकरण की प्रक्रिया में शिक्षक, परिवार और समाज की भूमिका 41
समाज निर्माण में लैंगिक मुद्दे 41
समाजीकरण एवं व्यक्तित्व निर्माण 42

अध्याय 5: पियाजे, कोह्लबर्ग तथा वाइगोत्स्की के सिद्धांत 44–49
पियाजे का विकास अवस्था का सिद्धांत 44
कोह्लबर्ग का नैतिक विकास की अवस्था का सिद्धांत 45
वाइगोत्स्की का सामाजिक विकास का सिद्धांत 45
वाइगोत्स्की का संभावित विकास का क्षेत्र 46

अध्याय 6: बाल-केन्द्रित शिक्षा तथा प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा 50–56
बाल-केन्द्रित शिक्षा 50
बाल केन्द्रित शिक्षण के सिद्धांत 50
बाल-केन्द्रित शिक्षा की विशेषताएँ 50
शिक्षण विधि 50
पाठ्यक्रम का स्वरूप 51
शिक्षक की भूमिका 51
मूल्यांकन एवं परीक्षण विधि 51
व्यवस्थापन और अनुशासन 51
प्रगतिशील शिक्षा तथा इसका महत्त्व 51
सर्वशिक्षा अभियान और मध्याह्न भोजन स्कीम 52
शिक्षा का अधिकार अधिनियम 52
सर्वशिक्षा अभियान (SSA) 52

अध्याय 7: बुद्धि निर्माण तथा बहुआयामी बुद्धि 57–62
बुद्धि का अर्थ तथा परिभाषाएँ 57
बुद्धि की विशेषताएँ 57
बुद्धि की परिभाषा 57
बुद्धि के प्रकार 57
बुद्धि के सिद्धांत 57
बहुकारक सिद्धांत 58
प्रतिदर्श या नमूना सिद्धांत 58
समूह कारक सिद्धांत 58
बहुआयामी बुद्धि 58
बुद्धि-लब्धि एवं बुद्धि-परीक्षण 59
बौद्धिक वृद्धि एवं विकास 60
शैक्षिक क्षेत्र में बुद्धि-परीक्षणों का महत्त्व 60
शिक्षा में बुद्धि परीक्षण के लाभ 60

अध्याय 8: भाषा तथा चिंतन 63–67
भाषा 63
बच्चों में भाषा का विकास 63
भाषा की प्रकृति 63
भाषा की विशेषताएँ 63
भाषा विकास के सिद्धांत 63
स्वर की परिपक्वता का सिद्धांत 63
अनुबंधन सिद्धांत 63
चॉमस्की का भाषा सिद्धांत 64
भाषा विकास को प्रभावित करने वाले कारक 64
अवधारणा 64
तर्क 64
भाषा-दोष 64
चिंतन की प्रकृति 64
चिंतन प्रक्रिया 65
चिंतन के प्रकार 65

अध्याय 9: अधिगम का मूल्यांकन 68–72
मूल्यांकन 68
मूल्यांकन के उद्देश्य 68
मूल्यांकन का महत्त्व 68
मूल्यांकन प्रक्रिया या मूल्यांकन के पद 68
मूल्यांकन की प्रकृति 68
विद्यालय आधारित मूल्यांकन 68
विद्यालय आधारित मूल्यांकन की विशेषताएँ 69
विद्यालय आधारित मूल्यांकन की तकनीक 69
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन 69
मूल्यांकन के प्रकार 69
रचनात्मक मूल्यांकन 69
संकलनात्मक या योगात्मक मूल्यांकन 69
नैदानिक मूल्यांकन 70
मूल्यांकन की विधियाँ 70
बाह्य मूल्यांकन 70
आन्तरिक मूल्यांकन 70
मानक आधारित मूल्यांकन 70
मानदंड आधारित मूल्यांकन 70
प्रदत्त कार्य या गृह कार्य द्वारा मूल्यांकन 71

अध्याय 10: उपलब्धि का मूल्यांकन तथा विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का निर्माण 73–78
उपलब्धि का मूल्यांकन 73
रचनात्मक मूल्यांकन 73
रचनात्मक मूल्यांकन के लिए अनुशंसाएँ 73
रचनात्मक मूल्यांकन का सिद्धांत 73
रचनात्मकता मूल्यांकन कार्यान्वयन 73
शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन एवं परामर्श 74
शैक्षिक निर्देशन 74
व्यक्तिगत निर्देशन 74
निर्देशन की विधियाँ 74

परामर्श की अवधारणा 74
परामर्श के प्रमुख तत्त्व 74
निर्देशक परामर्श 74
अनिर्देशक परामर्श 74
समन्वयित परामर्श 75
प्रश्न पूछना 75
प्रश्न पूछने के उद्देश्य 75
अच्छे प्रश्न की विशेषताएं 75
प्रश्नों के प्रकार 75
पूरक प्रश्न 75
निबंधात्मक प्रश्न 76
निबंधात्मक प्रश्न पूछने के उद्देश्य 76
लघु उत्तरीय प्रश्न 76
लघु उत्तरीय प्रश्न के उद्देश्य 76
अति लघुउत्तरीय प्रश्न 76
अति लघुउत्तरीय प्रश्न के उदाहरण 76
चित्रात्मक प्रश्न 76
निर्वचनात्मक प्रश्न 76
रिक्त स्थान के प्रश्न 76

अध्याय 11: समावेशी शिक्षा तथा विविध पृष्ठभूमि के बालकों की पहचान 79–82
समावेशी शिक्षा 79
समावेशी शिक्षा की समस्याएँ 79
समावेशी शिक्षा के लाभ 79
समावेशी शिक्षा के लिए कक्षा में सहयोग की भावना बढ़ाने के कुछ तरीके 79
समावेशन के महत्त्वपूर्ण सिद्धांत 79
समावेशी शिक्षा की सफलता के कारक 79
अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के बालकों की शिक्षा 80
अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के बच्चों को शिक्षा देने के लिए योजनाएँ 80
पिछड़े व निर्धन बालकों की शिक्षा के लिए योजनाएँ 80
घुमंतू बच्चों की शिक्षा 80
शहरी वंचित बच्चे 80
कमजोर वर्गों के लिए शिक्षा योजनाएँ 80
पिछड़े बालकों की शिक्षा के लिए केंद्रीकृत योजना 81

अध्याय 12: विकलांग तथा अधिगम अशक्तता वाले बालकों की पहचान 83–87
विकलांग बालक 83
शारीरिक रूप से विकलांग बालकों की पहचान 83
शारीरिक विकलांगता के प्रकार 83
मानसिक रूप से विकलांग अथवा मंद बुद्धि वाले बालकों की पहचान करना 84
मानसिक रूप से विकलांग अथवा मंद बुद्धि वाले शिक्षार्थियों की शिक्षा 84
विकलांग बालकों की समस्याएँ 84
विकलांग शिक्षार्थियों की शिक्षा व्यवस्था 84
अधिगम अशक्तता 85
प्रमुख अधिगम अशक्तता 85
अफेज्या 85
डिस्लेक्सिया 85
डिस्कैल्कुलिया 85

हाइपरलेक्सिया 85
डिस्ग्राफिया 85
अलेक्सिया 85
डिस्मोरफिया 85

अध्याय 13: प्रतिभाशाली, सृजनात्मक तथा विशिष्ट बालकों की पहचान 88–92
प्रतिभाशाली बालक 88
प्रतिभाशाली बालकों की विशेषताएँ 88
प्रतिभाशाली बालकों की पहचान 88
बौद्धिक एवं शैक्षिक प्रदर्शन के आधार पर 88
वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सामाजिक दृष्टिकोण 88
प्रतिभाशाली बालकों की शिक्षा 88
विशेष कक्षाएँ तथा विद्यालय 89
गतिवर्धन 89
संवर्धित पाठ्यक्रम 89
सृजनात्मक बालक 89
बालकों के लिए सृजनात्मकता का महत्त्व 89
सृजनात्मकता के परीक्षण 89
सृजनात्मक बालकों के लिये शैक्षिक कार्यक्रम 89
मंद बुद्धि बालक 90
मंद बुद्धि छात्रों का शिक्षण 90
पिछड़े बालक 90
पिछड़े बालकों की पहचान 90
बालकों में पिछड़ने या शैक्षिक मंदता के कारण 90
पिछड़े बालकों की शैक्षिक समस्या के निवारण के उपाय 91
समस्यात्मक बालक 91
समस्यात्मक बालकों के प्रकार 91

अध्याय 14: बच्चों में सोचना तथा सीखना 93–96
बच्चे कैसे सोचते हैं? 93
सोचने अथवा चिंतन की विशेषताएँ 93
सोचने का नियम 93
सोचने के भेद 93
बच्चे किस प्रकार सीखते हैं? 94
बच्चों में सीखने के नियम 94
बच्चों में सीखने के प्रकार 94
बच्चों में अधिगम प्रक्रिया की विशेषताएँ 95
बच्चों में सीखने की प्रक्रिया से संबंधित समस्याएँ 95

अध्याय 15: शिक्षण तथा अधिगम की आधारभूत प्रक्रियाएं 97–101
शिक्षण तथा अधिगम की प्रक्रिया 97
शिक्षण की विशेषताएँ 97
शिक्षण की अवस्थाएँ 97
शिक्षण अधिगम के सिद्धांत 98
स्वयं करके सीखने का सिद्धांत 98
सरल से जटिल की ओर सीखने का सिद्धांत 98
ज्ञात से अज्ञात की ओर सीखने का सिद्धांत 98
मूर्त से अमूर्त की ओर बढ़ने का सिद्धांत 98
पूर्ण से अंश की ओर सीखने का सिद्धांत 99

शिक्षण तथा अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक 99
शरीर-क्रियात्मक कारक 99
मनोवैज्ञानिक कारक 99
सामाजिक-संवेगात्मक कारक 99
शैक्षिक कारक 99
परिवेश संबंधी कारक 99
प्रतिपुष्टि 100
शिक्षण विधि 100

अध्याय 16: बच्चा: एक समस्या समाधानकर्ता तथा एक वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में 102–105
समस्या-समाधान का अर्थ 102
समस्या समाधान का व्यवहारवादी सिद्धांत 102
बच्चा: एक समस्या समाधानकर्त्ता के रूप में 102
शिक्षार्थी द्वारा समस्या समाधान करने की वैज्ञानिक विधि 102
समस्या समाधान के चरण 102
बच्चा: एक वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में 103
अन्वेषणात्मक होने के लाभ 103
शिक्षकों के अन्वेषणात्मक शिक्षार्थी या बच्चे का तात्पर्य 103

अध्याय 17: बालकों में अधिगम की वैकल्पिक अवधारणाए 106–110
अधिगम की परिभाषाएं 106
अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक 106
अगिम के सिद्धांत को निम्न सिद्धांतों के नाम से भी जाना जाता है 106
अधिगम सिद्धांत के महत्वपूर्ण तथ्य 106
थार्नडाइक के अधिगम नियम 106
थार्नडाइक के अधिगम नियम के द्वितीयक नियम 106
पैवलॉव एवं वाटसन का शास्त्रीय अनुबंध का सिद्धांत 107
इस सिद्धान्त के अन्य नाम 107
शास्त्रीय अनुबंध सिद्धान्त का शैक्षिक महत्त्व 107
पॉवलाव का प्रयोग 107
वॉटसन का प्रयोग 107
शास्त्रीय अनुबंध प्रयोग के बारे में 107
स्किनर का सक्रिय अनुबन्धन सिद्धांत 108
स्किनर का प्रयोग 108
स्किनर के सक्रिय अनुबंध का शैक्षिक महत्त्व 108
कोह्लर का अंतर्दृष्टि सिद्धांत 108
कोह्लर का प्रयोग 108
अंतर्दृष्टि सिद्धांत का शैक्षिक महत्त्व 108
लेविन का अधिगम संबंधी सिद्धांत 108
कार्ल रोजर्स का अनुभवजन्य अधिगम सिद्धांत 109

अध्याय 18: संज्ञान तथा संवेग 111–115
संज्ञान का अर्थ 111
शिक्षार्थियों में संज्ञानात्मक विकास 111
शैशवावस्था में संवेगात्मक विकास 111
बाल्यावस्था में संवेगात्मक विकास 111
मध्य बाल्यकाल में संज्ञानात्मक विकास 111
पियाजे का संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत 111

संवेग का अर्थ 112
संवेग की परिभाषा 112
सवंगों की विशेषताएँ 112
संवेग के प्रकार 112
संवेग का शैक्षिक महत्त्व 113

अध्याय 19: अभिप्रेरणा तथा अधिगम 116–121
अभिप्रेरणा का अर्थ तथा परिभाषा 116
विभिन्न मनोवैज्ञानिकों के अनुसार अभिप्रेरणा की परिभाषाएँ 116
अभिप्रेरणा के प्रकार 116
अभिप्रेरणा के स्रोत 116
सीखने में अभिप्रेरणा की भूमिका 117
अभिप्रेरणा की मुख्य विधियाँ 117
शिक्षार्थियों को प्रेरित करने वाले कारक 118
आत्म संप्रत्यय 118
आवश्यकता 118
आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत 118
अभिवृत्तियाँ 119
अभिवृत्ति निर्माण को प्रभावित करने वाले कारक 119
अभिरुचि 119

अध्याय 20: अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक 122–126
अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक 122
अधिगम को प्रभावित करने वाले व्यक्तिगत कारक 122
परिवार 122
शिक्षार्थी के अधिगम में परिवार की भूमिका 122
अधिगम को प्रभावित करने वाले वातावरणीय कारक 123
समुदाय 123
शिक्षार्थी के अधिगम में समुदाय की भूमिका 123
अधिगम को प्रभावित करने वाली शिक्षण-सहायक सामग्री 123
प्रौद्योगिकी 123
शिक्षकों का आईसीटी ज्ञान और कौशल 123
आईसीटी (सूचना प्रौद्योगिकी) का शिक्षण में प्रयोग 123
परंपरागत दृश्य सहायक सामग्री 124
वर्ड वॉल या बुलेटिन बोर्ड 124
परिवेशी प्रिंट 124
अधिगम को प्रभावित करने वाले श्रव्य सहायक सामग्री 124

अध्याय 21: राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 127–130
बच्चों को कैसे तथा किस प्रकार पढ़ाया जाए 127
सीखना तथा ज्ञान 127
पाठ्यचर्या के क्षेत्र 127
शिक्षकों की शिक्षा का राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढाँचा 128
विद्यालय तथा कक्षा का वातावरण 128
प्राथमिक कक्षा 128
माध्यमिक कक्षा 128
उच्च माध्यमिक स्तर पर 128

भाग-II: हिंदी भाषा 131–178

अध्याय 1: अपठित गद्यांश एवं पद्यांश 133–141

अपठित गद्यांश 133

सीटीईटी परीक्षा में हिंदी 133

अपठित पद्यांश 133

सीटीईटी परीक्षा में भाषा-1 के रूप में हिंदी 133

अध्याय 2: अधिगम और अर्जन 142–144

अधिगम 142

अधिगम का अर्थ 142

अधिगम के प्रकार 142

विभिन्न मनोवैज्ञानिकों के अनुसार भाषा-अधिगम 142

भाषा अर्जन की विधियाँ 142

भाषा-अधिगम तथा अर्जन को प्रभावित करने वाले कारक 142

शब्द-भण्डार का विकास 143

अध्याय 3: भाषा-शिक्षण के सिद्धांत 145–148

भाषा-शिक्षण के सिद्धांत 145

भाषा शिक्षण का महत्त्व 145

शिक्षण के सामान्य सिद्धांत 145

भाषा-शिक्षण के उद्देश्य 146

अध्याय 4: भाषा के कार्य एवं इसके विकास में बोलने एवं सुनने की भूमिका 149–153

शिक्षण 149

शिक्षण के प्रकार 149

भाषा शिक्षण 149

मातृभाषा के रूप में हिंदी शिक्षण का उद्देश्य 149

प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण के उद्देश्य 149

प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण 150

भाषा विकास को प्रभावित करने वाले कारक 150

भाषा विकास में सुनने की भूमिका 150

भाषा विकास में बोलने की भूमिका 150

अध्याय 5: भाषा अधिगम में व्याकरण की भूमिका 154–156

भाषा और व्याकरण 154

भाषा शिक्षण में व्याकरण का महत्त्व 154

व्याकरण शिक्षण के उद्देश्य 154

ज्ञानात्मक उद्देश्य 154

कौशलात्मक उद्देश्य 154

भावात्मक उद्देश्य 154

व्याकरण शिक्षण की विधियाँ 154

व्याकरण की कुछ महत्त्वपूर्ण शिक्षण विधियाँ 154

व्याकरण शिक्षण को रोचक और छात्रानुकूल बनाने के उपाय 155

अध्याय 6: भाषायी विविधता वाले कक्षा-कक्ष की समस्याएँ 157–160

भाषा-शिक्षण की चुनौतियाँ 157

हिंदी शिक्षण तथा बहुभाषिकता 158

हिंदी शिक्षण में बहुभाषिकता की जरूरत 158

बहुभाषी कक्षा के गुण 158

अध्याय 7: भाषा कौशल 161–165
भाषा कौशल 161
भाषायी कौशलों के शिक्षण का महत्त्व 161
भाषा कौशल तथा उनका शिक्षण 161
श्रवण-कौशल के उद्देश्य 161
श्रवण-कौशल की शिक्षण विधियाँ 161
मौखिक अभिव्यक्ति कौशल शिक्षण 161
पठन कौशल (सस्वर वाचन, मौन वाचन) 162
पठन कौशल के प्रकार तथा विधियाँ 162
सस्वर वाचन के गुण 162
मौन वाचन का उद्देश्य 163
पठन कौशल शिक्षण की विधियाँ 163
अक्षर-ज्ञान करने की निम्न विधियाँ 163
लेखन कौशल तथा इसके उद्देश्य 163
लेखन कौशल की शिक्षण विधियाँ 163
लेखन कौशल शिक्षण का उद्देश्य 164

अध्याय 8: भाषा बोध में प्रवीणता का मूल्यांकन 166–170
भाषायी कौशलों का मूल्यांकन 166
भाषा शिक्षण में मूल्यांकन की आवश्यकता 166
भाषा शिक्षण में परीक्षण 166
भाषा के मूल्यांकन में सतत् और व्यापक मूल्यांकन का महत्त्व 166
हिन्दी के मूल्यांकन हेतु प्रयोग की जाने वाली विधियाँ 166
भाषा के विभिन्न कौशलों का मूल्यांकन 167
अच्छी परीक्षा के गुण 168
प्रश्न-पत्र का निर्माण एवं ब्लू प्रिन्ट 168

अध्याय 9: शिक्षण-सहायक सामग्री 171–174
शिक्षण-सहायक सामग्री 171
शिक्षण-अधिगम सहायक सामग्री तथा उसके प्रकार 171
हिंदी शिक्षण में पाठ्यपुस्तक 171
हिंदी की अच्छी पाठ्यपुस्तक के गुण 172
बाल साहित्य तथा हिंदी शिक्षण 172
बाल साहित्य का महत्त्व 172
सहायक सामग्री प्रयोग के उद्देश्य 172
पाठ योजना 172
पाठ योजना में आने वाले सामान्य तथा विशिष्ट उद्देश्य 173
प्राथमिक स्तर पर गद्य शिक्षण के विशिष्ट उद्देश्य 173
कविता शिक्षण (पद्य) 173
कविता शिक्षण के विशिष्ट उद्देश्य 173

अध्याय 10: उपचारात्मक शिक्षण 175–178
उपचारात्मक शिक्षण तथा इसका महत्त्व 175
उपचारात्मक शिक्षण का महत्त्व 175
वाचन संबंधित दोष एवं उपचार 175
वाचन दोषों का उपचार 175
उच्चारण दोष के विभिन्न प्रकार 176

भाग–III: अंग्रेजी भाषा 179–232

Chapter 1: Reading Comprehension 181–191
Reading Comprehension: Prose 181
Introduction 181
RC in Competitive Exams 181
Reading Comprehension: Poetry/Verse 183
Introduction 183
Poetry-based RC in Competitive Exams 183

Chapter 2: Learning and Acquisition 192–195
Learning 192
Characteristics of Learning 192
Effective Methods of Learning 192
Factors Affecting Learning 192
Stages of Learning 192
Meaning of Acquisition 193
Stages or Developmental Order of First Language Acquisition (FLA) or L1 193
Stages of L2 Acquisition or New Language Learning (NLL) 193

Chapter 3: Principles of Language Teaching 196–200
Meaning of Language 196
Definitions of Language 196
Characteristics of Language 196
Characteristics of English Language 196
Nature of Language 196
Functions of Language 196
Importance of Language 196
Importance of English Language 197
Native Language or Mother Tongue 197
Importance of First Language and How it Helps in Personality Development 197
Impact of Native Language on the Second Language 197
Positive Impact of Mother Tongue 197
Negative Impact of Mother Tongue 198
Principles of Language or Linguistic Principles 198
Differences between Aims and Objectives of Teaching 199
Objectives at Junior Level (Classes VI- VIII) 199

Chapter 4: Role of Listening and Speaking 201–203
Introduction 201
Functions of Language 201
Listening 201
How Children Use Listening Skills 202
Speaking 202
How Children Use Speaking as a Tool 202

Chapter 5: Critical Perspective on the Role of Grammar in Learning a Language 204–210
Introduction 204
Types of Grammar 204
Merits of Grammar 204

Demerits of Grammar 204
Methods of Teaching Grammar 204
Aims of Teaching Grammar 205

Chapter 6: Challenges of Teaching Language in a Diverse Classroom 211–214
Introduction 211
English Language in India 211
Implications for Teachers 211
Challenges in Teaching English Language 211
Suggestions for Making Teaching Effective 212

Chapter 7: Language Skills 215–218
Introduction 215
Listening Skills (L) 215
Essential Conditions for Listening Skills 215
Aims of Listening Skills 215
Speaking Skills (S) 215
Aims of Speaking Skills 215
Suggestions to Improve Speaking Skills 215
Reading Skills (R) 215
Characteristics of Reading 216
Aims of Reading Skills 216
Types of Reading 216
Writing Skills (W) 216
Aims of Writing Skills 216
Handwriting 216

Chapter 8: Evaluating Language Comprehension and Proficiency 219–222
Introduction 219
Bloom's Taxanomy in evaluation 219
Concept of Evaluation 219
Evaluation of a Teacher during Teaching 220
Evaluation of a Pupil during the Learning Process 220
Tools for Evaluation 220
Comprehensive Evaluation 220
Evaluation of Language Skills (LSRW) 221
Evaluation of Reading Skill (R) 221

Chapter 9: Teaching Learning Materials 223–227
Introduction 223
Meaning of Audio-Visual Aids 223
Characteristics of Audio-Visual Aids 223
Objectives of Using Audio-Visual Aids 223
Types of Audio-Visual Aids 223
Some Abbreviations Related to Audio-Visual Aids 224
Microteaching and Lesson Planning 224
Microteaching 224
Definitions 224
Characteristics of Microteaching 224

Phases of Microteaching 224
Steps of Microteaching 225
Classification of Time in Microteaching 225
Advantages of Microteaching 225
Disadvantages of Microteaching 225
Skills for Microteaching 225
Lesson Planning 225
Definition of Lesson Planning 225
Importance of Lesson Planning 225
Advantages of Lesson Planning 226
Various Approaches of Lesson Planning 226

Chapter 10: Remedial Teaching 228–232
Introduction 228
Meaning and Aim of Remedial Teaching 228
Principles of Remedial Teaching 228
Suggestions for Remedial Teaching 228
Classification of Remedial Teaching 228
Exceptional Children 229
Classification of Exceptional Children 229
Backward Children 229
Characteristics of Backward Children 229
Special Education in the context of Exceptional Children 229

भाग IV: सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान 233–361

अध्याय 1: इतिहास 235–286
कब, कहाँ और कैसे 235
अतीत के बारे में कैसे जाने 235
पुरातात्विक स्रोत 235
साहित्यिक स्रोत 235
विदेशी यात्रियों का विवरण 235
इतिहास में तिथियों को लिखने की पद्धति 235
भारतीय इतिहास के स्रोत 236
धर्मग्रंथ 236
वैदिक धर्मग्रंथ 236
बौद्ध धर्मग्रंथ 236
जैन धर्मग्रंथ 237
ऐतिहासिक एवं समसामयिक ग्रंथ 237
पुरातत्व संबंधी साक्ष्य 237
प्रारंभिक समाज 237
आरंभिक मानव 237
आंरभिक मानव के बारे में जानकारी कैसे मिलती है? 237
पाषाण औजारों का निर्माण 238
आग की खोज 238
बदलती जलवायु 238
शैल चित्रकला 238
नाम और तिथियाँ 238

प्रथम कृषक और चारवाहे 238
खेती और पशुपालन की शुरुआत 238
बसने की प्रक्रिया 238
एक नवीन जीवन शैली 239
जानवर चलते - फिरते 'खाद्य भंडार' 239
स्थायी जीवन की ओर 239
मेहरगढ़ 239
दाओजली हेंडिग 239
प्रथम शहर 240
हड़प्पा 240
हड़प्पा सभ्यता के कुछ महत्वपूर्ण स्थल 240
हड़प्पा सभ्यता के नगरों की विशेषताएँ 240
नगर योजना 240
भवन निर्माण 240
नगरीय जीवन 240
नगर और नये शिल्प 241
फेयॅन्स 241
व्यापार 241
कृषि 241
धार्मिक जीवन 241
गुजरात में हड़प्पाकालीन नगर 241
सिंधु सभ्यता का पतन 241
कुछ महत्वपूर्ण तिथियाँ 241
प्रारंभिक राज्य 241
कुछ लोगों के शासक बनने के प्रक्रिया 241
जनपद 242
महाजनपद 242
छठी शताब्दी ईसा पूर्व के सोलह महाजनपद 243
महाजनपद कर व्यवस्था 243
कृषि में परिवर्तन 243
मगध 243
वज्जि 243
नये विचार 243
परिचय 243
जैन धर्म 244
बौद्ध धर्म 244
संघ 244
विहार 244
उपनिषद् 245
आश्रम व्यवस्था 245
ईरान में जरथुस्त्रवाद 245
प्रथम साम्राज्य 245
मगधः एक साम्राज्य 245
मगध का प्रशासन 245
अशोक (ई.पू 304 से ई.पू 232): एक अनोखा सम्राट 245
अशोक का कलिंग युद्ध 245
अशोक के शिलालेख 245

अशोक का धम्म क्या था? 245
मौर्य साम्राज्य का पतन 246
सुदूरवर्ती भूभागों के साथ सम्पर्क 246
दूरस्थ भूमि से सम्पर्क में व्यापारियों की भूमिका 246
समुद्र तट से लगे राज्यों का दूरस्थ भूमि से संपर्क 246
कुषाण 246
दूरस्थ भूमि से आये तीर्थयात्री 246
राजनैतिक गतिविधियाँ 246
परिचय 246
नये सामाजिक और राजनीतिक समूह 247
इतिहास के कालखंड 247
18वीं शताब्दी में नये राजनीतिक गठन 247
मुगल साम्राज्य के लिए संकट की स्थिति 247
पुराने मुगल प्रांत 248
हैदराबाद 248
बंगाल 248
अवध 248
राजपूतों की वतन जागीरी 249
सिक्ख 249
मराठा 249
जाट 250
संस्कृति और विज्ञान 250
परिचय 250
भारतीय संस्कृति 250
भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएँ 250
निरंतरता और बदलाव 250
विविधता और एकता 251
भौतिकवादी और अध्यात्मवादी 251
प्राचीन भारत में विज्ञान 251
नक्षत्र विज्ञान 251
गणित शास्त्र 252
धातु विज्ञान 252
भूगोल 252
मध्यकालीन भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी 252
जीव विज्ञान 253
रसायन शास्त्र 253
क्षेत्र विज्ञान 253
औषधि विज्ञान 253
नये सम्राट और साम्राज्य 253
समुद्रगुप्त 253
हर्षवर्धन 254
दक्षिण के राज्यों में सभाएँ 254
सातवीं शताब्दी के बाद के राजवंश 254
राज्यों में प्रशासन 255
प्रशस्तियाँ और भूमि अनुदान 255
धन के लिए युद्ध 255
चोल राज्य 255
कृषि और सिंचाई 256

चोल साम्राज्य का प्रशासन 256
भूमि के प्रकार 256
दिल्ली के सुल्तान 256
परिचय 256
रजिया सुल्तान 256
दिल्ली सल्तनत का विस्तार 256
दिल्ली के शासक राजपूत वंश 256
खिलजी और तुगलक वंश के अन्तर्गत प्रशासन 257
15वीं तथा 16वीं शताब्दी में सल्तनत 258
वास्तुकला 258
हड़प्पा काल 258
वैदिक काल 258
बौद्धकाल 258
प्राचीन भारत में स्थापत्य कला 258
निरावलम्बित मन्दिर 259
मध्यकालीन स्थापत्य कला 259
क्षेत्रीय साम्राज्यों में स्थापत्य कला 260
मुगल स्थापत्य कला 260
साम्राज्य का सृजन 260
मुगल साम्राज्य 260
मुगल कौन थे? 260
मुगल सम्राट एवं उनके प्रमुख अभियान 260
बाबर (1526–1530 ई.) 260
हुमायूँ (1530–1540 ई. एवं 1555–1556 ई.) 261
अकबर (1556–1605 ई.) 261
मुगलों के अन्य शासकों के साथ संबंध 261
मनसबदार और जागीरदार 261
अकबर की नीतियाँ 261
जब्त और जमींदार 262
सामाजिक परिवर्तन 262
मध्यकाल में सामाजिक परिवर्तन 262
भक्ति आन्दोलन की शुरुआत के सांस्कृतिक कारण 262
दक्षिण भारत में नयनार और अलवार 262
दर्शन और भक्ति 262
बसवन्ना का वीर शैववाद आन्दोलन 263
नाथपन्थी, सिद्ध और योगी 263
इस्लाम और सूफी मत 263
उत्तर भारत में धार्मिक बदलाव 263
कबीर 263
बाबा गुरु नानक 263
क्षेत्रीय संस्कृतियाँ 264
क्षेत्रीय संस्कृतियों का विकास 264
चेर जन और मलयालम का विकास 264
जगन्नाथी सम्प्रदाय 264
राजपूताना 264
कत्थक नृत्य 264
लघु चित्रों की परम्परा 265
बांगला भाषा का विकास 265

कम्पनी शासन की स्थापना 265
पूर्व में ईस्ट इंडिया कम्पनी का आना 266
ईस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा बंगाल में व्यापार की शुरुआत 266
व्यापार से युद्ध तक 266
प्लासी का युद्ध 266
कम्पनी के अफसर 'नवाब' बन बैठे 267
कम्पनी का फैलता शासन 267
मराठों से लड़ाई 267
टीपू सुल्तान 'शेर-ए-मैसूर' 267
सर्वोच्चता का दावा 267
विलय नीति 267
नये शासन की स्थापना 268
ग्रामीण जीवन और समाज 268
कम्पनी की आमदनी 268
स्थायी बन्दोबस्त 268
रैयतवाड़ी व्यवस्था 268
यूरोप के लिए फसलें 268
भारतीय नील की माँग 268
भारत में ब्रिटेन की बढ़ती दिलचस्पी 268
'नील विद्रोह' और उसके बाद 269
उपनिवेशवाद और जनजातीय समाज 269
जनजातीय समूहों के लोगों का जीवन 269
औपनिवेशिक शासन का आदिवासियों के जीवन पर प्रभाव 269
वन कानून का आदिवासियों के जीवन पर प्रभाव 269
बिरसा मुण्डा 269
1857–58 का विद्रोह 269
1857 के विद्रोह के कारण 270
राजनीतिक कारण 270
आर्थिक कारण 270
सामाजिक और धार्मिक कारण 270
विद्रोह की असफलता 270
विद्रोह की सार्थकता और प्रभाव 271
महिलाएँ और सुधार 271
राजा राममोहन राय और सती प्रथा का विरोध 271
प्रार्थना समाजः स्त्री शिक्षा एवं विधवा विवाह 271
आर्य समाज एवं समाज सुधार 272
रामकृष्ण मिशन और स्त्री पुनरुद्धार 272
ईश्वरचन्द विद्यासागर एवं नारी शिक्षा 272
महिलाओं की स्थिति सुधार में अन्य सुधारकों का योगदान 272
पंडिता रमाबाई 272
ताराबाई शिंदे 272
जाति व्यवस्था को चुनौती 272
सतनामी आन्दोलन 272
राष्ट्रवादी आंदोलन 273
पहला विश्वयुद्ध 273
खिलाफत आंदोलन और असहयोग आंदोलन 273
सविनय अवज्ञा की ओर 273
1937 ई. का चुनाव 273

अगस्त क्रान्ति (1942 ई.) 273
पाकिस्तान की माँग (1940 ई.) 273
क्रिप्स प्रस्ताव (1942 ई.) 273
भारत छोड़ो आन्दोलन (1942 ई.) 274
भारत का संवैधानिक विकास 274
कम्पनी शासन के अधीन लाये गये अधिनियम 274
1773 का रेग्युलेटिंग एक्ट 274
1784 का पिट्स एक्ट 274
1786 का एक्ट 274
1793 का चार्टर एक्ट 274
1813 का चार्टर एक्ट 274
1833 का चार्टर एक्ट 274
1853 का चार्टर एक्ट 274
क्राउन शासन में विकास 274
ब्रिटिश संसद द्वारा पारित 1858 का अधिनियम 275
अधिनियम (1858) की मुख्य विशेषताएँ 275
1861 का भारतीय परिषद अधिनियम 275
1892 का भारतीय परिषद अधिनियम 275
1909 का भारतीय परिषद अधिनियम 275
1919 का भारत सरकार अधिनियम 275
1935 का भारत सरकार अधिनियम 275
1947 का भारतीय स्वाधीनता अधिनियम 275
स्वतंत्रता के पश्चात् भारत 275
भारतीय रियासतों का एकीकरण 275
महात्मा गाँधी की हत्या 276
नेहरू की विदेश नीति 276
भारत-पाकिस्तान संबंध 276
ताशकंद समझौता 276
बांग्लादेश का उदय 277
शिमला समझौता 277
भारत-श्रीलंका संबंध 277
भारत-भूटान संबंध 277
भारत-चीन संबंध 277
पंचशील समझौता 277
भारत-चीन युद्ध 278
भारत की एशियाई नीति 278
सार्क 278

अध्याय 2: भूगोल 287–313
सामाजिक अध्ययन एवं विज्ञान के रूप में भूगोल की अवधारणा 287
भूगोल की अवधारणा 287
भूगोलः विज्ञान के रूप में 287
परिभाषाएँ 287
भूगोल का महत्त्व 287
ग्रहः सौरमंडल में पृथ्वी 288
खगोलशास्त्र 288
खगोलीय पिंड 288
आकाशगंगा 288

सौर मंडल 288
नक्षत्र मंडल 288
सूर्य 288
ग्रह 289
पृथ्वी 289
सूर्योच्च एवं अपसौर 289
ग्रहण (Eclipse) 289
सूर्य ग्रहण (Solar Eclipse) 289
चंद्र ग्रहण (Lunar Eclipse) 290
चंद्रमा 290
क्षुद्र ग्रह (Asteroids) 290
उल्का पिंड (Meteroite) 290
मानव निर्मित उपग्रह 290
ग्लोब 290
ग्लोब की परिभाषा एवं अवधारणा 290
अक्षांश 290
महत्वपूर्ण अक्षांश (समानांतर) रेखाएँ 291
समय निर्धारण मानक समय 291
पृथ्वी के ताप कटिबंध 291
देशांतर रेखाएँ 291
देशांतर और समय 291
स्थानीय समय 291
अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा 291
पृथ्वी की गति एवं परिक्रमण 291
घूर्णन या दैनिक गति 291
परिक्रमण या वार्षिक गति 292
प्रदीप्ति वृत्त 292
मानचित्र 292
पृथ्वी के परिमंडल 292
वायुमंडल 292
जलमंडल 292
जीवमंडल 292
भूमंडल 292
महाद्वीप 293
अफ्रीका 293
पर्यावरण: प्राकृतिक एवं मानव पर्यावरण 293
पर्यावरण 293
प्राकृतिक पर्यावरण 293
मानवीय पर्यावरण 294
परितंत्र 294
पर्यावरण संरक्षण 294
वायु 294
वायुमंडल एवं भूमण्डलीय तापन 294
वायुमंडल में पायी जाने वाली गैसों की विशेषताएँ 294
ग्रीन हाऊस प्रभाव एवं गैस 295
वायुमंडल की संरचना 295
क्षोभमण्डल (Troposphere) 295
समतापमण्डल (Stratosphere) 295

मध्यमण्डल 295
बाह्यमण्डल 295
बर्हिमण्डल 295
मौसम और जलवायु 295
जलवायु का वर्गीकरण 296
तापमान 296
सूर्यातप (Insolation) 296
आतपन 296
वायुदाब 296
पवन 296
आर्द्रता 296
जल 297
जल की उपलब्धता एवं तथ्य 297
जल-चक्र 297
लवणता 297
महासागरीय परिसंचरण एवं ज्वार भाटा 297
तरंग 297
ज्वार-भाटा 298
महासागरीय धाराएँ 298
प्रमुख ठंडी जलधारा 298
आवास, परिवहन एवं संचार 298
आवास की अवधारणा 298
बस्तिया 298
परिवहन के स्वरूप एवं सुविधाएँ 298
सड़क मार्गों की स्थिति 298
स्वर्णिम चतुर्भुज महा राजमार्ग 299
राष्ट्रीय राजमार्ग 299
राज्य राजमार्ग 299
जिला मार्ग 299
अन्य सड़कें 299
रेलमार्गों की स्थिति 299
जलमार्गों की स्थिति 299
भारत के प्रमुख बंदरगाह 299
वायुमार्ग 300
पाइपलाइन 300
संचार की अवधारणा एवं प्रकार 300
प्राकृतिक एवं मानव संसाधन 300
प्राकृतिक संसाधन की अवधारणा 300
संसाधनों के प्रकार 300
विकास स्तर पर संसाधन 300
स्वामित्व आधार पर संसाधन 301
संसाधनों का विकास एवं पृथ्वी सम्मेलन 301
पृथ्वी सम्मेलन 301
संसाधन नियोजन एवं उसकी प्रक्रिया 301
भू-संसाधन एवं उसका संरक्षण 301
संसाधनों का संरक्षण 302
भारत में भू-उपयोग प्रारूप 302
भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय 302

मृदा के प्रकार एवं मृदा अपरदन 302
मृदा के प्रकार 302
मृदा अपरदन के प्रकार 302
मृदा अपरदन के कारण 303
वन संसाधन एवं वन्य जीव संरक्षण 303
लुप्तप्राय जीव-जन्तु 303
संकटग्रस्त जीव-जन्तु 303
खनिज तथा ऊर्जा संसाधन 303
खनिज क्या है? 303
खनिजों का वर्गीकरण 303
प्रमुख खनिज एवं लौह अयस्क 303
लौह अयस्क 303
अलौह खनिज 304
अधात्विक खनिज 304
चट्टानी खनिज 304
परम्परागत ऊर्जा के स्रोत: कोयला, पेट्रोलियम, विद्युत एवं परमाणु ऊर्जा 304
कोयला 304
पेट्रोलियम 304
विद्युत 304
परमाणु ऊर्जा 304
प्राकृतिक गैस एवं बायो गैस 304
गैर-परम्परागत ऊर्जा के साधन 305
सौर ऊर्जा 305
पवन ऊर्जा 305
ज्वारीय ऊर्जा 305
भू-तापीय ऊर्जा 305
ऊर्जा संसाधनों का संरक्षण 305
मानव संसाधन 305
जनसंख्या 305
जनसंख्या की विशेषताएँ: लिंग अनुपात एवं साक्षरता दर 305
क्रियाशील जनसंख्या की संरचना: उत्पादन, उपभोग, स्वास्थ्य एवं किशोर जनसंख्या 305
कृषि 306
कृषि के प्रकार 306
जीविका निर्वाह कृषि 306
गहन जीविका कृषि 306
वाणिज्यिक कृषि 306
कृषि एवं उसका शस्य प्रारूप 306
मुख्य खाद्यान्न फसलें 306
खाद्यान्न के अलावा अन्य फसलें 306
बागवानी फसलें 307
कृषि प्रौद्योगिकी में संस्थागत सुधार 307
वैश्वीकरण का कृषि पर प्रभाव 307

अध्याय 3: सामाजिक एवं राजनीतिक विज्ञान 314–332
भारत में विविधता 314
परिचय 314
विविधता में एकता 314
विविधता एवं भेदभाव 314

रूढ़िबद्ध धारणाएँ बनाना 314
समानताएँ, असमानताएँ और विभाजन 315
सामाजिक विभाजनों की राजनीति 315
भारतीय संविधान में समानता के लिए उपाय 315
सरकार 315
परिचय 315
राष्ट्रपति 315
उपराष्ट्रपति 316
मंत्रिपरिषद् 316
स्थानीय सरकार 316
परिचय 316
पंचायती राज 316
पंचायती राज से संबंधित समितियाँ 316
बलवंत राय मेहता समिति 316
अशोक मेहता समिति 317
डॉ. पी.वी.के. राव समिति 317
डॉ. एल.एम. सिंघवी समिति 317
पंचायती राज का त्रिस्तरीय भाग 317
नगरीय स्थानीय प्रशासन 317
लोकतंत्र 318
लोकतंत्र क्या है? 318
लोकतंत्र की विशेषताएँ 318
लोकतांत्रिक अधिकार 318
लोकतंत्र के परिणाम 318
लोकतंत्र की चुनौतियाँ 318
राजनीतिक सुधारों पर विचार 319
राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और राज्य सरकार 319
राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग 319
राज्य सरकार 319
विधानसभा एवं सरकार का गठन 320
विधान परिषद् 320
विधान परिषद् का निर्वाचन 320
राज्य मंत्रीमंडल एवं मुख्यमंत्री 320
स्वास्थ्य में सरकार की भूमिका 321
मीडिया की समझ 321
संचार 321
संचार के कार्य 321
जन-संचार माध्यमों का वर्गीकरण 322
समाज में मीडिया की भूमिका 322
विज्ञापन के कार्य 322
विज्ञापन के लाभ 322
विज्ञापन के दोष 322
सामाजिक परिवर्तन में मीडिया की भूमिका 322
मीडिया का राजनीति पर प्रभाव 323
मीडिया द्वारा राष्ट्रीय उद्देश्यों की पूर्ति 323
विज्ञापनः अर्थ एवं परिभाषा 323
लिंग-भेद समाप्ति 323
लिंग बोध या जेंडर 323

महिलाओं का काम और समानता 323
लैंगिक मुद्दे और राजनीति 323
महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व 323
संविधान 324
भारतीय संविधान निर्माण के आरम्भिक प्रयास 324
विभिन्न देशों के संविधानों से लिये गये प्रावधान 324
संविधान सभा और संविधान का निर्माण 324
सामाजिक न्याय एवं हाशिए पर खड़े लोग 325
आदिवासी और हाशियाकरण 325
अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति 325

अध्याय 4: सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान की अवधारणा एवं प्रकृति 333–336
सामाजिक अध्ययन की अवधारणा 333
स्वतंत्र विषय के रूप में सामाजिक अध्ययन 333
समसामयिक जीवन पर आधारित 333
मानवीय संबंधों के निर्माण का अध्ययन 333
उत्तरदायित्वपूर्ण नागरिक का निर्माण 333
सामाजिक विज्ञान की धारणाएँ 333
सामाजिक अध्ययन और सामाजिक विज्ञान में अंतर 334
सामाजिक अध्ययन एवं सामाजिक विज्ञान के बीच सह-संयोजी संबंध 334
सामाजिक अध्ययन और सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम 334

अध्याय 5: कक्षा प्रक्रियाएँ, गतिविधियाँ एवं प्रबंध 337–340
कक्षा-कक्ष संचालन 337
पाठ्यक्रम का प्रस्तुतीकरण 337
पाठ्य-वस्तु को सुदृढ़ करना 337
कक्षा-कक्ष की गतिविधियाँ 337
कक्षा के बाहर की जाने वाली गतिविधियाँ 337
सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का उद्देश्य 337
व्याख्यान-प्रस्तुतीकरण 338
व्याख्यान विधि के लाभ 338
व्याख्यान विधि की हानियाँ 338
कक्षा-कक्ष में परस्पर संवाद 338
पाठ्यक्रम की समस्या का निराकरण 338
शिक्षण के उपागम 338
शिक्षण-शास्त्र की विवेचना 338

अध्याय 6: तार्किक चिन्तन का विकास 341–343
तार्किक चिन्तन की अवधारणा 341
तार्किक चिन्तन का उद्देश्य 341
शिक्षार्थियों के बीच तार्किक चिन्तन का विकास 341
शिक्षार्थियों को निर्देश एवं परामर्श देना 342

अध्याय 7: परिपृच्छा, अन्वेषण एवं अनुभवजन्य साक्ष्य 344–347
परिपृच्छा एवं अन्वेषण 344
परिपृच्छा के उद्देश्य 344
परिपृच्छा की संरचना 344
परिपृच्छा की विशेषताएँ 344
अनुसंधान/अन्वेषण की अवधारणा 344
अनुसंधान के गुण 344

अनुसंधान के दोष 344
अनुभवजन्य साक्ष्य 345
अनुभवजन्य साक्ष्य का महत्त्व 345
अनुभवों का नियोजन एवं समाधान 345

अध्याय 8: सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान शिक्षण की समस्याएँ 348–351
सामाजिक विज्ञान शिक्षण की सीमाएँ 348
क्रियाशीलता सिद्धांत 348
व्यक्तिगत भिन्नता (विद्यार्थियों के बौद्धिक स्तर में भिन्नता) 348
शिक्षण विधि से संबंधित समस्याएँ 348
प्राथमिक स्तर पर शिक्षण-विधियाँ 349
माधयमिक स्तर पर शिक्षण-विधियाँ 349
उच्च विद्यालय स्तर पर शिक्षण-विधियाँ 349
सामाजिक अध्ययन शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के सूत्र 349
समस्या समाधान 349
शिक्षक प्रशिक्षण 349

अध्याय 9: स्रोत प्राथमिक एवं द्वितीयक 352–354
स्रोत का अर्थ 352
स्रोतों के प्रकार 352
समााजिक अध्ययन शिक्षण में स्रोतों का उपयोग 352
मूल स्रातों के प्रयोग में कठिनाइयाँ 352
स्रोत विधि के लाभ 352

अध्याय 10: परियोजना कार्य 355–357
परियोजना कार्य की अवधारणा 355
परियोजना कार्य के प्रकार 355
परियोजना कार्य के चरण 355
परियोजना कार्य की विशेषताएँ 355
परियोजना कार्य पद्धति की सीमाएँ 356
सामाजिक अध्ययन में परियोजना कार्य की जाँच 356
परियोजना विधि के लाभ 356

अध्याय 11: मूल्यांकन 358–361
मूल्यांकन की अवधारणा 358
मूल्यांकन का उद्देश्य 358
मूल्यांकन पद्धतियाँ 358
निरीक्षण प्रविधि 358
घटनावृत (एनेकडॉटल रिकॉर्ड्स) 358
प्रश्नावली 358
साक्षात्कार 358
परीक्षा प्रविधि 358
आकलन तथा मूल्यांकन 358
आकलन का उद्देश्य 359
शिक्षार्थियों का आकलन 359
स्व-आकलन 359
आकलन का संचालन 359

Index-QR Codes 362–364

सीटीईटी EXAM GOALPOST™ कॉम्प्रीहेन्सिव गाइड पेपर-II सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान इस पुस्तक का प्रारूप सीटीईटी परीक्षा पर आधारित है। इस पुस्तक में महत्त्वपूर्ण तथा प्रासंगिक विषयों पर अध्याय एवं पर्याप्त अभ्यास प्रश्न दिये गये हैं, जो अभ्यर्थियों को परीक्षा की तैयारी कराने में सहायक होगें।

पुस्तक की अद्वितीय विशेषताएँ

विस्तृत विषय-सामग्री

सीटीईटी परीक्षा की दृष्टि से इस पुस्तक में अनिवार्य विषयों को सम्मिलित किया गया है। पुस्तक की सभी विषय-सामग्री को विभिन्न अध्यायों में बाँटा गया है। इन अध्यायों को विस्तृत एवं सुबोध रूप में प्रस्तुत किया गया है।

प्रत्येक प्रश्न का विस्तृत हल

पुस्तक में प्रत्येक प्रश्न का उत्तर व्याख्यात्मक रूप से दिया गया है।

प्रश्न

1. पोर्टफोलियो

(1) बच्चों के आकलन का सबसे सरल तरीका है।
(2) बच्चों के अभिभावकों को पूर्ण जानकारी देता है।
(3) बच्चों की क्रमिक प्रगति की जानकारी देता है।
(4) बच्चों की हर प्रकार की प्रगति का पूर्ण लेखा-जोखा है।

व्याख्या

(3) पोर्टफोलियो भाषा- मूल्यांकन का वैकल्पिक स्रोत है, जिसके अंतर्गत भाषा के चारों कौशलों का मूल्यांकन किया जाता है। भाषा के इन चारों कौशलों का मूल्यांकन पारस्परिक, व्याख्यात्मक तथा प्रस्तुतीकरण की विधियों के माध्यम से किया जाता है। यह बच्चों की क्रमिक प्रगति की जानकारी देता है।

प्रश्न

2. त्रिभाषा सूत्र में हिन्दी का स्थान

(1) राजभाषा के रूप में है।
(2) सह राजभाषा के रूप में है।
(3) राष्ट्रभाषा के रूप में है।
(4) शास्त्रीय भाषा के रूप में है।

व्याख्या

(1) त्रिभाषा सूत्र में भारत की राजभाषा हिन्दी मानी गई है। त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत भाषा-1 के रूप में शास्त्रीय भाषा, भाषा-2 के रूप में राजभाषा तथा भाषा-3 के रूप में यूरोपीय भाषा को स्थान दिया गया है।

पिछली परीक्षा का प्रश्नपत्र हल सहित

पिछले वर्ष के प्रश्न-पत्र को पढ़ने से अभ्यर्थी सीटीईटी के अद्यतन प्रारूप और शैली से परिचित होते हैं। पिछले वर्ष का प्रश्न-पत्र अभ्यर्थियों को उनके प्रदर्शन का स्तर तथा क्षमता का आकलन करने में मदद करता है।

सॉल्वड पेपर 2018

ohfM;k ylu

इस पुस्तक में महत्वपूर्ण वीडियो लेसन दिये गये हैं, जिन्हें QR कोड को स्कैन करके देखा जा सकता है। ये वीडियो लेसन पाठ्य सामग्री को बेहतर ढंग से समझने में आपकी सहायता करेंगे।

ohfM;k ylu

अधिगम तथा विकास विषय पर वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें।

ohfM;k ylu ,Dll dju dk rjhdk

इस पुस्तक में 'एक्सपर्ट' की वीडियो दी गयी है जिसे आप ऐप के जरिये पुस्तक में विभिन्न स्थानों पर दिये गये QR कोड को स्कैन करके, अपने स्मार्ट फोन या टैबलेट पर देख सकते हैं।

LVi 1 – ,i MkmuykM rFkk bLVky dj

निःशुल्क वीडियो एक्सेस के लिये, आपको एप्पल ऐप स्टोर (आई ट्यून्स) या गूगल प्ले स्टोर से 'वाइले टेस्ट प्रैप' डाउनलोड करने की आवश्यकता है।

LVi 2 – QR dkM dk Ldu dj

Wiley Test Prep ऐप को सफलतापूर्वक डाउनलोड करने के बाद, वीडियो देखने के लिए निम्नलिखित स्टेप को पूरा करें:

1. ऐप को खोलें तथा QR कोड स्कैन ऑप्शन को क्लिक करें।
2. डिवाइस के कैमरे QR कोड पर फोकस करें तथा 'टिक' की आवाज आने तक कुछ सैकेण्ड का इंतजार करें। एक बार QR कोड स्कैन होने के बाद, आप सीधे वीडियो से जुड़ जाएगें।

परीक्षा की रणनीति

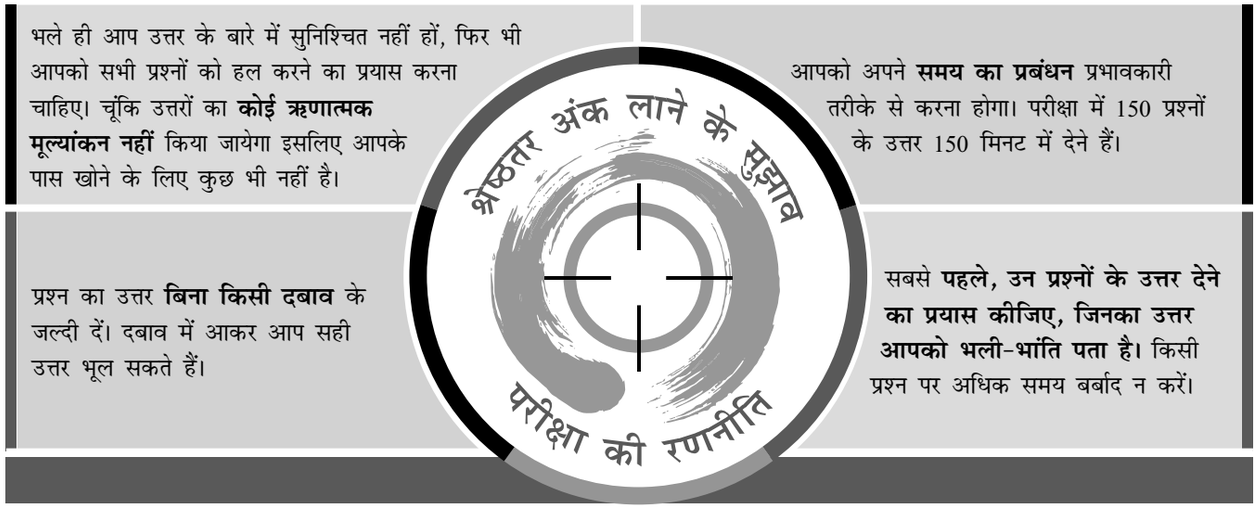

सीटीईटी की संरचना तथा विषय-वस्तु

सीटीईटी में सभी प्रश्न, एक सही उत्तर के साथ, चार विकल्प वाले बहु-विकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। नकारात्मक अंक नहीं दिए जाएंगे सीटीईटी के दो पेपर होंगे:

(i) पेपर I ऐसे व्यक्ति के लिए होगा जो कक्षा I से V तक के लिए शिक्षक बनना चाहता है।

(ii) पेपर II ऐसे व्यक्ति के लिए होगा जो कक्षा VI से VIII तक के लिए शिक्षक बनना चाहता है।

पेपर II (कक्षा VI से VIII के लिए)

संरचना और विषय-सूची (सभी अनिवार्य): **परीक्षा की अवधि: ढाई घंटा**

क्र. संख्या	विषय	प्रश्नों की संख्या	आवंटित अंक
(i)	बाल विकास और अध्यापन कला	30	30
(ii)	भाषा I (अनिवार्य)	30	30
(iii)	भाषा II (अनिवार्य)	30	30
(iv)	सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान	60	60
	कुल	**150**	**150**

प्रश्नों की प्रकृति और स्तर

- बाल विकास और अध्यापन कला के बारे में परीक्षा विषय-वस्तु, 11-14 वर्ष आयु समूह से संबद्ध अध्यापन और अधिगम के शैक्षिक मनोविज्ञान पर केन्द्रित होगी। वे विविध शिक्षार्थियों की विशेषताओं और आवश्यकताओं को समझने, शिक्षार्थियों के साथ अन्योन्यक्रिया और अधिगम के एक अच्छे 'फेसिलिटेटर' के गुणवत्ताओं और गुणों पर केन्द्रित होगी।
- भाषा I में परीक्षा मदें अनुदेशों के माध्यम से संबंधित निपुणताओं पर केन्द्रित होगी।
- भाषा II में परीक्षा मदें भाषा के तत्वों, सम्प्रेषण और व्यापक क्षमताओं पर केन्द्रित होगी।
- भाषा II भाषा I से अलग भाषा होगी। एक अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध भाषा विकल्पों में से किसी एक भाषा का अर्थात् भाषा I व अन्य का भाषा II के रूप में चुनाव किया जाए और पुष्टिकरण पृष्ठ में इसका विशेष रूप से उल्लेख करना होगा।
- गणित और विज्ञान, और सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान में परीक्षा मदें इन विषयों की संकल्पनाओं, समस्या समाधान करने की क्षमताओं और शैक्षणिक समझ पर केन्द्रित होगी। गणित और विज्ञान में परीक्षा मदें तीस-तीस अंकों की होंगी। परीक्षा मदें एनसीईआरटी द्वारा कक्षा VI–VIII के लिए निर्धारित उस विषय के पाठ्यक्रम भिन्न-भिन्न खण्डों के विषय में समान रूप से वितरित की जाएगी।
- पेपर II के लिए परीक्षा में प्रश्न कक्षा VI-VIII के लिए एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों पर आधारित होंगे किंतु उनका कठिनाई स्तर के अलावा संयोजन, सीनियर सैकेण्डरी स्तर तक का हो सकता है।

टिप्पणी

ऐसे व्यक्ति जो दोनों स्तर (कक्षा I से V और कक्षा VI से VIII तक) के लिए शिक्षक बनना चाहते हैं उन्हें दोनों पेपरों की परीक्षा (पेपर I और II पेपर) में बैठना होगा।

अर्हक अंक और सीटीईटी प्रमाण-पत्र प्रदान करना

एनसीटीई द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार टीईटी परीक्षा में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले व्यक्ति को ही उत्तीर्ण माना जाएगा।

(क) विद्यालय प्रबंधन (सरकारी, स्थानीय निकाय, सरकारी सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त) द्वारा उनकी वर्तमान आरक्षण नीति के अनुसार अ.जा./अ.ज.जा., अ.पि.व. विशिष्ट रूप से सक्षम व्यक्ति इत्यादि से संबंधित व्यक्तियों को छूट देने पर विचार कर सकते हैं।

(ख) सीटीईटी में अर्हता प्राप्त करने से किसी व्यक्ति का भर्ती/रोजगार के लिए अधिकार नहीं होगा क्योंकि यह नियुक्ति के लिए केवल पात्रता मानदंडों में से एक है।

सीटीईटी प्रमाण-पत्र की वैधता अवधि

1. नियुक्ति के लिए सीटीईटी अर्हक प्रमाण की वैधता सभी श्रेणियों के लिए इसके परिणाम की घोषणा की तिथि से सात वर्ष की अवधि तक होगी।
2. एक सीटीईटी प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए एक व्यक्ति द्वारा किए जाने वाले प्रयासों की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं है। सीटीईटी में अर्हता प्राप्त व्यक्ति अपने प्राप्तांकों में सुधार के लिए पुनः परीक्षा दे सकता है।

अनुप्रयोज्यता

सीटीईटी केन्द्रीय सरकार के विद्यालयों (केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय व तिब्बती स्कूलों आदि) तथा संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़, दादर एवं नागर हवेली, दमन एवं दीव, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन विद्यालयों के लिए लागू होगा। सीटीईटी गैर-सहायता प्राप्त प्राइवेट विद्यालयों के लिए भी लागू होगा, जो सीटीईटी के विकल्प पर विचार करना चाहते हैं।

पाठ्यक्रम

पेपर II (कक्षा VI से VIII के लिए) प्रारंभिक अवस्था

I. बाल विकास और अध्यापन

क) बाल विकास (प्रारंभिक विद्यालय का बालक)

- विकास की अवस्था तथा अधिगम से उसका संबंध
- बालक के विकास के सिद्धांत
- आनुवांशिकता और पर्यावरण का प्रभाव
- समाजीकरण दबाव : सामाजिक विश्व और बालक (शिक्षक, अभिभावक और मित्रगण)
- पियाजे, कोह्लबर्ग और वाइगोत्स्की : निर्माण और विवेचित संदर्श
- बाल-केन्द्रित और प्रगामी शिक्षा की अवधारणाएं
- बौद्धिकता के निर्माण का विवेचित संदर्श
- बहु-आयामी बौद्धिकता
- भाषा और चिंतन
- समाज निर्माण के रूप में लिंग: लिंग भूमिकाएं, लिंग-पूर्वाग्रह और शैक्षणिक व्यवहार
- शिक्षार्थियों के मध्य वैयक्तिक विभेद, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय, धर्म आदि की विविधता पर आधारित विभेदों को समझना
- अधिगम के लिए मूल्यांकन और अधिगम के मूल्यांकन के बीच अंतर, विद्यालय आधारित मूल्यांकन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन, संदर्श और व्यवहार
- शिक्षार्थियों की तैयारी के स्तर के मूल्यांकन के लिए, कक्षा में शिक्षण और विवेचित चिंतन के लिए तथा शिक्षार्थी की उपलब्धि के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना

ख) समावेशी शिक्षा की अवधारणा तथा विशेष आवश्यकता वाले बालकों को समझना

- गैर-लाभप्राप्त और अवसर-वंचित शिक्षार्थियों सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना
- अधिगम संबंधी समस्याओं, 'कठिनाई' रखने वाले बालकों की आवश्यकताओं को समझना
- मेधावी, सृजनशील, विशिष्ट प्रतिभावान शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना

ग) अध्ययन और अध्यापन

- बालक किस प्रकार सोचते और सीखते हैं; बालक विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में कैसे और क्यों 'असफल' होते हैं।
- शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएं; बालकों की अध्ययन कार्यनीतियां; सामाजिक क्रियाकलाप के रूप में अधिगम; अधिगम के सामाजिक संदर्भ
- एक समस्या समाधानकर्ता और एक 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में बालक
- बालकों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पना; अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण चरणों के रूप में बालक की 'त्रुटियों' को समझना
- बोध और संवेदनाएं
- प्रेरणा और अधिगम
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक - निजी एवं पर्यावरणीय

I. भाषा-I

क) भाषा बोधगम्यता

अनदेखे अनुच्छेदों को पढ़ना - दो अनुच्छेद एक गद्य अथवा नाटक और एक कविता जिसमें बोधगम्यता, निष्कर्ष, व्याकरण और मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न होंगे (गद्य अनुच्छेद साहित्यिक, वैज्ञानिक, वर्णनात्मक अथवा तर्कमूलक हो सकता है)

ख) भाषा विकास का अध्यापन

- अधिगम अर्जन
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर विवेचित संदर्श
- भिन्न कक्षाओं में भाषा पढ़ाने की चुनौतियां; भाषा की कठिनाइयां, त्रुटियां और विकार
- भाषा कौशल
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना: बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- अध्यापन - अधिगम सामग्रियां: पाठ्य-पुस्तक, मल्टी-मीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन
- उपचारात्मक अध्यापन

III. भाषा-II

क) बोधगम्यता

दो अनदेखे गद्य अनुच्छेद (तर्कमूलक अथवा साहित्यिक अथवा वर्णनात्मक अथवा वैज्ञानिक) जिनमें बोधगम्यता, निष्कर्ष, व्याकरण और मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न होंगे

ख) बोधगम्यता

- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर निर्णायक संदर्श
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियां; भाषा की कठिनाइयाँ, त्रुटियाँ और विकार
- भाषा कौशल

- ⊙ भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना: बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- ⊙ अध्यापन-अधिगम सामग्री: पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन
- ⊙ उपचारात्मक अध्यापन

IV. सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान

क) विषय-वस्तु

इतिहास

- ⊙ कब, कहाँ और कैसे
- ⊙ प्रारंभिक समाज
- ⊙ प्रथम कृषक और चरवाहे
- ⊙ प्रथम शहर
- ⊙ प्रारंभिक राज्य
- ⊙ नए विचार
- ⊙ प्रथम साम्राज्य
- ⊙ सुदूरवर्ती भूभागों के साथ संपर्क
- ⊙ राजनैतिक गतिविधियाँ
- ⊙ संस्कृति और विज्ञान
- ⊙ नए सम्राट और साम्राज्य
- ⊙ दिल्ली के सुलतान
- ⊙ वास्तुकला
- ⊙ साम्राज्य का सृजन
- ⊙ सामाजिक परिवर्तन
- ⊙ क्षेत्रीय संस्कृतियाँ
- ⊙ कंपनी शासन की स्थापना
- ⊙ ग्रामीण जीवन और समाज
- ⊙ उपनिवेशवाद और जनजातीय समाज
- ⊙ 1857-58 का विद्रोह
- ⊙ महिलाएँ और सुधार
- ⊙ जाति व्यवस्था को चुनौती
- ⊙ राष्ट्रवादी आंदोलन
- ⊙ स्वतंत्रता के पश्चात् भारत

भूगोल

- ⊙ एक सामाजिक अध्ययन तथा एक विज्ञान के रूप में भूगोल
- ⊙ ग्रह: सौरमण्डल में पृथ्वी
- ⊙ ग्लोब
- ⊙ अपनी समग्रता में पर्यावरण: प्राकृतिक और मानव पर्यावरण
- ⊙ वायु
- ⊙ जल
- ⊙ मानव पर्यावरण: बस्तियाँ, परिवहन और संप्रेषण
- ⊙ संसाधन: प्रकार - प्राकृतिक एवं मानवीय
- ⊙ कृषि

सामाजिक और राजनीतिक जीवन

- ⊙ स्थानीय सरकार
- ⊙ आजीविका हासिल करना
- ⊙ लोकतंत्र
- ⊙ राज्य सरकार
- ⊙ मीडिया को समझना
- ⊙ लिंग-भेद समाप्ति
- ⊙ संविधान
- ⊙ संसदीय सरकार
- ⊙ न्यायपालिका
- ⊙ सामाजिक न्याय और सीमांत लोग

ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे

- ⊙ सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन की अवधारणा और पद्धति
- ⊙ कक्षा की प्रक्रियाएँ, क्रियाकलाप और व्याख्यान
- ⊙ विवेचित चिंतन का विकास करना
- ⊙ पूछताछ/अनुभवजन्य साक्ष्य
- ⊙ सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन पढ़ाने की समस्याएँ
- ⊙ स्रोत - प्राथमिक और माध्यमिक
- ⊙ प्रोजेक्ट कार्य
- ⊙ मूल्यांकन

टिप्पणी

कक्षा IV से VIII तक की विस्तृत पाठ्यचर्या के लिए कृपया एनसीईआरटी पाठ्यक्रम और पाठ्य-पुस्तकों का अवलोकन करें।

अस्वीकरण

Dreamtech Press परीक्षोपयोगी प्रामाणिक जानकारी देने का प्रयास करता है; हालाँकि, संबद्ध शासी निकाय के पास नोटिस के साथ/के बिना परीक्षा प्रारूप, समयावधि, पाठ्यक्रम, परीक्षा केंद्र आदि बदलने का अधिकार सुरक्षित है। इसलिए, नवीनतम/अद्यतन सूचना के लिए पाठकों को आधिकारिक वेबसाइट देखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।